हैज़ा

अफ्रीकी देश **हैज़ा रोग के टीके की कमी** का सामना कर रहे हैं जिससे हैज़ा के मामलों में वृद्धि के कारण इस क्षेत्र में रोग के प्रकोप का खतरा बढ़ रहा है।

- वर्ष 2023 की शुरुआत से पाँच अफ्रीकी देशों में 687 मौतों सहित हैज़ा के 27,300 नए मामले सामने आए हैं।
- [विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)]() ने चेतावनी दी है कि [जलवायु परिवर्तन]() की वजह से दुनिया भर में हैज़ा महामारी का प्रकोप बढ़ सकता है, क्योंकि बीमारी का कारण बनने वाले बैक्टीरिया गर्म जल में अधिक तेज़ी से प्रजनन कर सकते हैं।

हैज़ा:

- **परिचय:**
  - यह एक **जानलेवा संक्रामक रोग** तथा **सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये खतरा** है।
  - हैज़ा एक तीव्र, अतिसार की बीमारी है जो **विब्रियो कोलेरी जीवाणु** से आँत के संक्रमण के कारण होती है।
  - संक्रमण अक्सर हल्का या लक्षणों के बिना होता है, हालाँकि कभी-कभी गंभीर हो सकता है।
- **लक्षण:**
  - डायरिया
  - उल्टी
  - मांशपेशियों में ऐंठन
- **संक्रमण:**
  - **दूषित जल पीने या दूषित भोजन खाने** से व्यक्ति को हैज़ा हो सकता है।
  - सीवेज़ और पीने के जल के अपर्याप्त **उपचार वाले क्षेत्रों में रोग तेज़ी से फैल सकता है।**
- **वैक्सीन:**
  - वर्तमान में तीन WHO प्री-क्वालिफाइड **ओरल हैज़ा वैक्सीन (OCV), डुकोरल, शांचोल और यूविचोल-प्लस हैं।**
  - रोग से पूर्ण सुरक्षा के लिये तीनों वैक्सीन की दो खुराक की आवश्यकता होती है।

हैज़ा रोग पर अंकुश लगाने हेतु पहल:

- **हैज़ा नियंत्रण पर एक वैश्विक रणनीति, एंडिंग हैज़ा:** इसे वर्ष 2030 तक के वैश्विक रोडमैप के साथ हैज़ा महामारी से होने वाली मौतों को 90% तक कम करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था।
- **हैज़ा नियंत्रण के लिये ग्लोबल टास्क फोर्स (Global Task Force for Cholera Control- GTFCC)** : WHO ने हैज़ा उन्मूलन में WHO के कार्यों को मज़बूती प्रदान करने के लिये हैज़ा नियंत्रण हेतु ग्लोबल टास्क फोर्स (GTFCC) का पुनरोद्धार किया।
  - GTFCC का उद्देश्य हैज़ा नियंत्रण के लिये साक्ष्य-आधारित रणनीतियों के कार्यान्वयन में वृद्धि लाने हेतु सहयोग करना है।

[स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cholera-2